Harvard University
Urdu 102: Intermediate Urdu-Hindi
Spring Semester, 2007

शोले

Part 15

ठाकुर रेलगाड़ी से उतर कर चारों तरफ़ देखता है। उसे इस बात से काफ़ी ताज्जुब होता है कि उसे लेने के लिये कोई स्टेशन नहीं आया है। आकाश की ओर देखकर वह सोचता है कि शायद बारिश होनेवाली हो, इसलिये कोई नहीं आया। घर की ओर चला जाता है। नज़दीक पहुँच कर वह देखता है कि उस के घर के बाहर भीड़ लगी हुई है। लोगों के पास आ कर उसको ज़मीन में पाँच लोगों के शव चादर से ढके हुए दिखाई देते हैं। पीछे राधा सफ़ेद साड़ी पहनकर सिर ढककर बैठी है और रामलाल भी बैठा है। ठाकुर के हाथों से वह सामान गिर जाता है जो वह घर वालों के लिये लाया था। बहुओं के लिये लायी चूड़ियाँ टूट जाती हैं। अचानक हवा के झोंके से चादरें उड़ जाती हैं और उसे अपने मृत परिजनों के चेहरे दिखाई देते हैं। उस का चेहरा फक हो जाता है। रामलाल उस के पैरों पर पड़ जाता है तो ठाकुर इतना कहता है कि "गब्बर?"। रोते हुए रामलाल "हाँ" कहता है। फिर दौड़ कर ठाकुर एक घोड़े पर सवार हो जाता है और गब्बर सिंह के डेरे की तरफ़ चल देता है। उसे आसानी से पकड़कर गब्बर के सामने लाया जाता है।

****

गब्बर के खेमे में।

गब्बर -	आओ ठाकुर। मैं जानता था तुम ज़रूर आओगे। हाहाहाहा। कैसा फड़फड़ा रहा है साला।
ठाकुर बलदेव सिंह -	(झल्लाते हुए) कमीने! कुत्ते!
गब्बर	दे, जितनी गाली देनी है ठाकुर, जी भर कर गाली दे।
ठाकुर बलदेव सिंह -	हरामज़ादे!
गब्बर	चिल्लाओ। और चिल्लाओ। याद है? उस दिन मैं चिल्ला रहा था, तुम तमाशा देख रहे थे? आज तुम चिल्लाओ। मैं तमाशा देखूँगा। हे सांभा! उस वक़्त कचहरी में ऐसा ताप

मुझको, ऐसा ताप मुझको, अवसर मिलता तो वहीं हरामज़ादे का टेकुआ दबा देता। मगर करता क्या? चार-चार पुलिसवाले पकड़े हुए, हाथ में हथकड़ी, पैरों में बेड़ी। (ठाकुर से पूछते हुए) याद है? याद है? कोई आख़िरी ख़्वाहिश है तुम्हारी, ठाकुर? (ठाकुर उस के मुँह पर थूकता है।) अभी तक बहुत जान बाक़ी है तेरे हाथों में। बाँध दो साले को। (गब्बर के आदमी ठाकुर को बाँध देते हैं। गब्बर के एक हाथ में तलवार है। वह एक डाकू से उसकी तलवार लेता है। अब उस के दोनों हाथों में तलवारें हैं।) अब मैं तुझे जान से नहीं मारूँगा। वह हाल करके छोड़ूँगा कि दुनिया थूकेगी तुझ पर। बहुत जान है तेरे हाथों में। ये हाथ लगाम पकड़ के घोड़े को बिठा देते हैं। बहुत जान है तेरे हाथों में। याद है ठाकुर, क्या कहे थे तुम? यह हाथ नहीं, फाँसी का फंदा है। देख! फंदा खुल गया। (चिल्लाकर) खुल गया फंदा। बहुत जान है हाथों में ऐ। (ठाकुर के पीछे खड़ा होकर दोनों हाथों से पकड़ी हुई तलवारें गब्बर सिर के ऊपर उठाता है।) ये हाथ हम को दे दे ठाकुर।

ठाकुर बलदेव सिंह - नहीं, नहीं।

गब्बर - ये हाथ हमको दे ठाकुर!

ठाकुर बलदेव सिंह - नहीं!!!

****

वर्तमान में वापस आ जाते हैं। हवा के झोंके से ठाकुर का शॉल उड़ जाता है और हमें पता चल जाता है कि उस के दोनों हाथ नहीं हैं। उस की बहू राधा शॉल उठा कर उस के कंधों पर रखती है और वह चला जाता है। सब लोग अवाक खड़े रह जाते हैं।

****

गब्बर के गिरोह के गाँव पर हमला करने के बाद पुलिस आकर गाँववालों के बयान लिखती है। एक किसान का बयान लिखने के बाद उससे कहा जाता है

कि अँगूठाछाप काग़ज़ पर लगा दो।

पुलिस अफ़सर - उस के बाद कुछ देखा तुमने?

ग्रामीण - नहीं साहब। गोली चलते ही हमने सब खिड़की दुवार बन्द कर लिये।

पुलिस अफ़सर - हम्म। ठीक है। (काग़ज़ की ओर इशारा कर के) यहाँ पर अँगूठा लगा दो।

ग्रामीण - जी साहब।

पुलिस अफ़सर - इधर। (ठाकुर को आते हुए देखकर कहता है।) आइये ठाकुर साहब। ठाकुर साहब, यहाँ जो हुआ मुझे इन लोगों से पता चल गया। आप से एक और बात करनी है।

ठाकुर बलदेव सिंह - पुलिस को गब्बर चाहिये, ज़िंदा या मुर्दा। वह एक न एक दिन आापको मिल जाएगा इनस्पेक्टर साहब।

पुलिस अफ़सर - कुछ बता सकते हैं आप, गब्बर सिंह के बारे में?

ठाकुर बलदेव सिंह - जी नहीं।

पुलिस अफ़सर - ठीक है। मुझे बस इतना ही पूछना था। (हाथ आगे बढ़ाता है, ठाकुर के हाथ से मिलाने के लिये। याद आने पर कि टाकुर के हाथ हैं नहीं थोड़ा सा झेंप जाता है।) शुक्रिया ठाकुर साहब।

ठाकुर बलदेव सिंह -(ठाकुर बस दूसरी ओर देख कर कहता है) नमस्ते। (वह चलता है।)

शब्दावली

चारों तरफ़ = all around (adv)
ताज्जुब होना = to be surprised (vi)
आकाश = sky (m)
बारिश = rain (f)
नज़दीक = close (adv)
भीड़ = crowd (f)
शव = corpse (m)
चादर = sheet (f)
ढकना = to cover (vt)
सफ़ेद = white (adj)
साड़ी = sari (f)
झोंका = gust (m)
उड़ना = to fly (vi)
मृत = dead (adj)
परिजन = family (m)
चेहरा = face (m)
तिलमिलाना = to be in the grip of impotent anger (vi)

रोना = to cry (vi)
डेरा = camp (m)
x की तरफ़ = x's direction (pp)
आसानी से = easily (adv)
पकड़ना = to catch (vt)
लाना = to bring (vi)
फड़फड़ाना = to flap, flutter (vi)
साला = bastard, brother-in-law (m)
कमीना = vile, wicked (adj)
कुत्ता = dog (m)
गाली देना = to curse (vt)
जी भर = full heart (adv)
तमाशा = spectacle (m)
कचहरी = court (f)
ताप = anger, fury (m)
अवसर = opportunity (m)
गला = throat (m)
दबाना = to choke, strangle, press (vt)
हथकड़ी = handcuffs (f)
बेड़ी = shackles (f)
आख़िरी = final (adj)
ख़्वाहिश = wish (f)
थूकना = to spit (vt)
बाक़ी = remaining (adj)
बाँधना = to tie (vt)
हाल = state, condition (m)
दुनिया = world (f)
तलवार = sword (f)
लगाम = reins (f)
बिठाना = to set (something) (vt)
फाँसी = noose (f)
फंदा = rope, cord (m)
सिर = head (m)
ऊपर = above (adv)
वर्तमान = present (adj, m)
कंधा = shoulder (m)
अवाक = speechless (adj)
गिरोह = gang, group (m)
हमला करना = to attack (vt)
बयान = statement (m)
ग्रामीण = villager (m)
अँगूठाछाप = thumbprint (m)
लगाना = to attach (vt)
काग़ज़ = paper (m)
द्वार = door (m)
इशारा करना = to indicate (vt)
एक और = one more (adj)
एक न एक = one day or another (adj)
आगे बढ़ाना = to extend (vt)
मिलाना = to make meet (vt)